Tender Heart High School, Sector 33-B, Chandigarh.

Date- Class - VI
Subject- Hindi Literature Page - 1
Subject Teacher- Ms. Roma Rani

पुस्तक- नवतरंग भाग - 6
पाठ - 15 'साइकिल की सवारी'
लेखक - सुदर्शन

सुप्रभात प्यारे बच्चो !

यह पाठ-15 कक्षा छठी की हिन्दी साहित्य का है। आज हम इस पाठ में सुदर्शन द्वारा लिखा पाठ 'साइकिल की सवारी' पढ़ेंगे।

बच्चो ! इस पाठ में लेखक समझा रहे हैं कि जब हम कोई काम सीखना शुरू करते हैं तो हो सकता है कि वह हमें मुश्किल लगे, लेकिन सीख जाने के बाद वह काम चुटकी बजाने जैसा आसान हो जाता है। बच्चो ! क्या आपको याद है कि आपने जब साइकिल चलाना सीखना शुरू किया था, उस समय आपको कैसा लगता था ? और अब ?

बच्चो ! अब जो कहानी हम पढ़ेंगे, उसमें एक व्यक्ति साइकिल चलाना सीखने की ठान लेता है। क्या वह अपने इस कार्य में सफल हो पाता है ? आज हम इस पाठ में पढ़ेंगे।

बच्चो ! पाठ को पढ़ने से पहले हम इसमें आए कठिन शब्दों के अर्थ जान लेते हैं।

ताबातोड़ - जल्दी - जल्दी
जंबक - दवा
गुर - रहस्य
फूले न समाना - बहुत खुश होना
पेशगी - एडवांस
हाथ पाँव फूल जाना - बहुत डर जाना

Scanned with CamScanner

Date- Class - VI
Subject - Hindi Literature Page - 2
Subject Teacher - Ms. Roma Rani

प्राण सूख जाना - डर जाना
अल्टीमेटम - अंतिम चेतावनी
निरुत्तर - कोई जवाब न सूझना

बच्चो ! लेखक को पहले साइकिल चलानी नहीं आती थी। उन्होंने जब देखा कि हमारा लड़का भी चोरी - चोरी साइकिल चलानी सीख गया है। तब लेखक भी साइकिल चलाना सीखने की ठान लेते हैं, इसके लिए उन्होंने अपने फटे पुराने कपड़े भी ढूंढ लिए क्योंकि उन्हें डर था कि यदि साइकिल चलाना सीखते समय गिर गए तो नए कपड़े फट जाएँगे और उनकी पत्नी इस पर गुस्सा हो जाएँगी। वह अपने पुराने कपड़े मरम्मत के लिए अपनी पत्नी को दे देते हैं। श्रीमती जी उनके कपड़ों की मरम्मत कर देती हैं। फिर लेखक इस बात को लेकर परेशान होते हैं कि उन्हें साइकिल चलाना सिखाएगा कौन ? तभी उनके मित्र तिवारी जी वहाँ आते हैं और उनकी समस्या का हल ढूंढ देते हैं। वह कहते हैं कि उनकी जान पहचान में कोई है, जो उन्हें साइकिल चलाना सिखा देगा और पैसे भी कम लेगा।

लेखक जैसे ही तिवारी जी को उस्ताद जी से बात करने के लिए भेजते हैं, वैसे ही स्वयं एक ट्रेनिंग सेंटर खोलने के सपने देखने लगते हैं। इसके बारे में वह अपनी पत्नी से भी कहते हैं कि ट्रेनिंग स्कूल खोलकर हमारी तीन - चार सौ मासिक आमदन हो जाएगी।

Date-
Class - VI
Subject- Hindi Literature
Page- 3
Subject Teacher- Ms. Roma Rani

इस बारे में अभी बात चल ही रही थी कि तिवारी जी उस्ताद जी को ले आए। तिवारी जी ने आते ही बताया कि उस्ताद जी फीस पहले ही लेंगे। कहते हैं बाद में कोई नहीं देता।

लेखक ने कहा, "दुनिया लाख बुरी है, मगर फिर भी भले आदमियों से खाली नहीं है।"

लेखक ने उस्ताद जी को फीस देते हुए कहा, "कल सवेरे आ जाना हम तैयार रहेंगे। उन्होंने बताया कि इस काम के लिए हम कपड़े भी बनवा लिए हैं और जंबक भी खरीद लिया है। पड़ोस में जो मिस्त्री है, उससे साइकिल भी माँग ली है। आप सवेरे ही चले आएँ, तो हरि नाम लेकर शुरू कर दें।"

तिवारी जी और उस्ताद जी वहाँ से चले गए तभी लेखक को कुछ याद आया तो नंगे पाँव ही उनके पीछे भाग लिए। लेखक ने हाँफते-हाँफते कहा, "उस्ताद, हम शहर के पास नहीं सीखेंगे, लॉरेंस बाग में जो मैदान है, वहाँ सीखेंगे। वहाँ एक तो भूमि नरम है, चोट कम लगती है। दूसरे वहाँ कोई देखता नहीं।"

<u>गृह कार्य</u> :- ≐ बच्चो आप इस पाठ को अच्छे से समझने के लिए दो-तीन बार पढ़ेंगे।

≐ आप इस पाठ के पृष्ठ-124 पर आए शब्द अर्थ अपनी उत्तर-पुस्तिका पर लिखेंगे।

धन्यवाद!

Last page.

Scanned with CamScanner